4.लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

1. लोकतंत्र समानता तथा स्वतंत्रता पर आधृत शासन है। समानता और स्वतंत्रता को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - लोकतंत्र के दो मुख्य आधार निम्नलिखित हैं।

(i) **समानता** - लोकतंत्र समानता के सिद्धांत पर आधृत है। इसका अर्थ है- जाति, - धर्म, वर्ण, भाषा, प्रांत इत्यादि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाए। कानून के समक्ष सभी व्यक्ति समान हैं।

(ii) **स्वतंत्रता** - लोकतंत्र के लिए स्वतंत्रता भी आवश्यक है। स्वतंत्रता का अर्थ है- नागरिकों को विचार व्यक्त करने, सभा करने, संगठन बनाने तथा मत देने की स्वतंत्रता प्राप्त रहे।

2. भारतीय लोकतंत्र के किन्हीं चार गुणों का वर्णन करें।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र के चार गुण निम्नलिखित हैं।

(i) भारतीय लोकतंत्र द्वारा कल्याणकारी राज्य की स्थापना की गई है जिसमें सबकी अधिकतम भलाई होती है। (ii) इससे जनता में राजनीतिक जागृति उत्पन्न होती है। (iii) भारतीय लोकतंत्र समानता का पोषक है। भारतीयों में जाति, वंश, रंग, धर्म, लिंग इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। कानून के समक्ष सभी नागरिक बराबर हैं। (iv) भारतीय लोकतंत्र में लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित होती है।

3. लोकतंत्र की सफलता की किन्हीं चार आवश्यक शर्तों का वर्णन करें। अथवा, लोकतंत्र की सफलता के लिए कौन-कौन-सी आवश्यक शर्तें हैं?

उत्तर - लोकतंत्र की सफलता की चार शर्तें निम्नलिखित हैं।

(i) लोकतंत्र में जनता की पूरी आस्था हो । (ii) सुशिक्षा, जिससे मनुष्य अपने अधिकार और कर्तव्य का सही ज्ञान प्राप्त कर सके। सुशिक्षित नागरिक ही अपने मताधिकार का सही प्रयोग कर सकते हैं। (iii) आर्थिक समानता की स्थापना हो। कहा भी जाता है कि आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतंत्रता बेकार है। (iv) स्थानीय स्वशासन की स्थापना हो। इससे नागरिकों को राजनीति एवं शासन के कार्यों में भाग लेने का अधिक अवसर मिलता है।

4. लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विषमताओं को कम करने में मददगार होता है और सामंजस्य के वातावरण का निर्माण करता है ?

उत्तर - लोकतंत्र में सामाजिक-आर्थिक विषमताएँ; जैसे – ऊँच-नीच, अमीर-गरीब, स्त्री-पुरुष आदि मौजूद रहती हैं। इनके बावजूद लोकतंत्र व्यक्ति को बराबरी का अधिकार देता है, विकास का समान अवसर देता है। कमजोर वर्ग को विकास के लिए आरक्षण और विशेष सहायता एवं सुविधा देकर विषमता को कम करने की कोशिश करता है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देकर आपसी संवाद कायम करता है। इससे समाज में पारस्परिक विश्वास एवं सामंजस्य उत्पन्न होता है।

5. भारत में किस तरह का लोकतंत्र है ? भारतीय लोकतंत्र के किन्हीं चार दुर्गुणों ' का वर्णन करें।

उत्तर - भारत में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है। इसमें जनता के चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा शासन चलाया जाता है। भारतीय लोकतंत्र के निम्नलिखित चार दुर्गुण हैं।

(i) भारत में निरक्षरता अत्यधिक है। इसके कारण लोग लोकतंत्र का महत्त्व नहीं समझ पाते। (ii) व्यक्तिपूजा की प्रवृत्ति अब भी विद्यमान है। (iii) भारत में आर्थिक असमानता व्याप्त है जिससे लोकतंत्र का विकास अवरुद्ध हो जाता है। (iv) भारतीय लोकतंत्र में दलगत बुराइयाँ अत्यधिक हैं।

6. लोकतंत्र को तौलने अथवा मापनेवाली कसौटियों को संक्षेप में बताएँ।

उत्तर - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को तौलने अथवा मापने की अनेक कसौटियाँ होती हैं; यथा - निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव आयोग, नियमित एवं समय पर चुनाव, जनता की सहभागिता, स्वतंत्र मीडिया द्वारा प्रमुख नीतियों एवं नए कानूनों पर स्वतंत्र एवं खुली चर्चा, शासन में पारदर्शिता, पर्यवेक्षकों की राय इत्यादि। इन कसौटियों पर सही उतरनेवाली सरकार को ही सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक सरकार की संज्ञा दी जा सकती है।

7. लोकतंत्र व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि किस प्रकार करता है?

उत्तर - लोकतंत्र का सर्वोत्तम गुण यह है कि इसमें लोगों को गरिमा के साथ रहने का अवसर मिलता है। प्रत्येक नागरिक की यह हार्दिक इच्छा रहती है कि वह सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करे। चूँकि लोकतंत्र में समानता के

सिद्धांत का पोषण होता है, इसलिए इसमें नागरिकों के बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता है और सभी सम्मानपूर्ण जीवन बिताने में सक्षम हो पाते हैं। उल्लेखनीय है कि लोकतंत्र में पुरुषों की भाँति महिलाओं को भी सम्मानपूर्ण जीवन व्यतीत करने का अधिकार है। नारी सशक्तीकरण के संदर्भ में महिलाओं को भी गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करने के अवसर उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए जा रहे हैं।

8. लोकतंत्र एक वैध शासन है। कैसे ?

उत्तर - लोकतंत्र एक वैध शासन है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में सभी निर्णय कानून और नियमों के अनुसार ही लिए जाते हैं। लोकतंत्र में ही नागरिकों को यह जानने का अधिकार प्राप्त रहता है कि किसी भी निर्णय में कानून एवं नियमों का पालन हुआ है या नहीं। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो नागरिकों को उसका विरोध करने का भी अधिकार होता है। अन्य शासन व्यवस्थाओं में ऐसा नहीं होता। जनता को यह विचार करने का अधिकार नहीं होता कि उसके शासक ने सही निर्णय लिया है या नहीं। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में पारदर्शिता रहती है। इसके अंतर्गत नागरिकों को सूचना का अधिकार भी प्राप्त होता है। यही कारण है कि लोकतंत्र एक वैध शासन है।

9. लोकतंत्र को एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था क्यों कहा जाता है ?

उत्तर - लोकतंत्र एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था है। इसमें जनता ही शासकों का चयन करती है तथा उनपर नियंत्रण भी रखती है। इसके लिए यह आवश्यक है कि जनता की सत्ता में अधिक-से-अधिक भागीदारी हो ।

लोकतंत्र में ऐसी व्यवस्था की जाती है कि शासक जनता की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं का ध्यान रखे। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में निर्णय लेने में भले ही देर हो, लेकिन गलत निर्णय की संभावना कम रहती है। इससे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था और भी अधिक उत्तरदायी बन जाती है।

लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

1. लोकतंत्र किस तरह आर्थिक संवृद्धि एवं विकास में सहायक बनता है ?

उत्तर - लोकतंत्र जनता के प्रति उत्तरदायी और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील - शासन है। यह आर्थिक विषमता की जगह सामाजिक न्याय, शोषण से मुक्त एक सुखी, गरिमापूर्ण और अभावहीन जीवन को अपना लक्ष्य मानता है। आर्थिक संवृद्धि और चहुँमुखी विकास लोकतंत्र का लक्ष्य है। परंतु, आर्थिक संवृद्धि और विकास को लोकतंत्र नैतिक दृष्टि से भी देखता है।

केवल कुल राष्ट्रीय उत्पाद और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि को लोकतंत्र आर्थिक संवृद्धि और विकास नहीं मानता है, बल्कि एक न्यायपूर्ण सामाजिक-आर्थिक जीवन एवं • गरिमापूर्ण जीवन की स्थिति प्रदान करना इसका लक्ष्य है। इसलिए, शोषण से मुक्ति, अधिकतम रोजगार का सृजन, अवसर की समानता, उत्पादन में वृद्धि, संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण, पूँजी के केंद्रीकरण को रोकना, आर्थिक समानता, राजनीतिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सामंजस्य लोकतंत्र के उद्देश्य हैं। समावेशी विकास को लोकतंत्र ने अपने विकास का सिद्धांत बनाया है। अतः, गरिमापूर्ण आर्थिक संवृद्धि और समावेशी विकास की दिशा में लोकतंत्र तेजी से प्रगति कर रहा है।

2. भारतीय लोकतंत्र की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर - स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की स्थापना की गई। भारत का संविधान बना। संविधान की प्रस्तावना में स्पष्ट कहा गया है कि भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य होगा। भारतीय लोकतंत्र की निम्नलिखित चार विशेषताएँ हैं।

(i) **वयस्क मताधिकार** - भारत में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है जिसमें निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा शासन संचालित होता है। इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन की व्यवस्था की गई है। निर्वाचन द्वारा ही जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है। भारत में 18 वर्ष या उससे अधिक आयुवाले प्रत्येक स्त्री-पुरुष को बिना किसी भेदभाव के मताधिकार प्राप्त है।

(ii) **संसदीय लोकतंत्र** - भारतीय लोकतंत्र की दूसरी विशेषता है कि यहाँ संसदीय लोकतंत्र है। यद्यपि राष्ट्रपति कार्यपालिका का सर्वोच्च पदाधिकारी है तथापि वह नाममात्र का प्रधान है। वास्तविक कार्यपालिका शक्ति मंत्रिपरिषद् के हाथ में है जिसका प्रधान प्रधानमंत्री है। मंत्रिपरिषद् अपने कार्यों के लिए सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है। इसी अर्थ में भारत में संसदीय लोकतंत्र है।

(iii) **नागरिकों के मौलिक अधिकार** - स्वतंत्रता एवं समानता के सिद्धांत पर ही लोकतंत्र आधृत है। इसी कारण भारत के नागरिकों को संविधान द्वारा मौलिक अधिकार दिए गए हैं और उनके संरक्षण का उत्तरदायित्व सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों को सौंपा गया है।

(iv) **स्वतंत्र न्यायपालिका** - भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका की व्यवस्था है। संविधान की रक्षा का भार सर्वोच्च न्यायालय पर सौंप दिया गया है।

3. व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता के प्रोत्साहन में लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी अन्य शासन-प्रणाली से किस प्रकार अधिक श्रेष्ठ है? उपयुक्त उदाहरण के साथ व्याख्या करें।

उत्तर - आज सभी शासन-प्रणालियों में लोकतंत्र को सर्वोत्तम माना जा रहा है, क्योंकि इसमें जनमत को अत्यधिक महत्त्व दिया जाता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक सचेत रहते हैं और उनमें राजनीतिक चेतना अधिक होती है। यह समानता, स्वतंत्रता और विश्वबंधुत्व पर आधृत है। लोकतांत्रिक शासन-प्रणाली में नागरिक गुणों का अधिक विकास होता है। अन्य शासन-प्रणालियों से लोकतांत्रिक व्यवस्था इस कारण भी श्रेष्ठ है कि इसमें व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को प्रोत्साहित किया जाता है। इसे हम निम्नांकित रूप में स्पष्ट कर सकते हैं।

(i) **व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि** - अन्य शासन-प्रणालियों की तुलना में लोकतंत्र नागरिकों को अधिक सम्मान देता है। इसमें नागरिकों के बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता है। इसमें निर्धन और अशिक्षित को भी वही दर्जा प्राप्त होता है जो धनी और शिक्षित को । लोकतंत्र में सर्वत्र समानता दिखाई पड़ती है।

(ii) स्वतंत्रता को प्रोत्साहन - लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी अन्य शासन-प्रणाली से इसलिए भी श्रेष्ठ है कि इसमें स्वतंत्रता को प्रोत्साहन मिलता है। लोकतंत्र स्वतंत्रता का पोषक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस बात का पूरा ध्यान रखा जाता है कि नागरिकों की स्वतंत्रता पर कोई आँच नहीं आए। इसमें नागरिकों को विचार करने, सभा करने, संगठन बनाने, मताधिकार का स्वतंत्रतापूर्वक उपयोग करने, सरकार की आलोचना करने और शासन में भाग लेने स्वतंत्रता मिलती है।

4. लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन-प्रणाली क्यों कहा गया है ? इसे तर्कों और तथ्यों से सिद्ध करें।

उत्तर - लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन-प्रणाली माना जाता है। इस बात की पुष्टि इन तथ्यों से होती है।

(i) जनमत का अत्यधिक महत्त्व - यह सर्वविदित है कि लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है। स्वाभाविक है कि जनमत इसमें विशेष स्थान मिलना चाहिए। यह एक तथ्य है कि लोकतंत्र में जनता की सामान्य इच्छा के अनुसार ही शासन चलाया जाता है।

(ii) सचेत नागरिक - लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन-प्रणाली कहे जाने का दूसरा तथ्य यह है कि इसके नागरिक सचेत रहते हैं। नागरिकों के बीच राजनीतिक चेतना लोकतंत्र का सबसे बड़ा लक्षण है। जनता स्वयं सरकार बनाती है। स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में जनता को शासन-कार्य और चुनाव में भाग लेने के अवसर प्राप्त होते हैं। इससे जनता की दिलचस्पी सार्वजनिक

कार्यों में बढ़ जाती है। अतः, राजनीतिक चेतना जनता में अधिक हो जाती है।

(iii) समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधृत - लोकतंत्र के तीन मुख्य आधार माने जाते हैं- - समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व। लोकतंत्र में नागरिकों के बीच रंग, धर्म, वर्ण, जाति, भाषा, क्षेत्र इत्यादि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता। कानून के समक्ष सभी नागरिकों को समानता प्रदान की जाती है। प्रत्येक नागरिक को अनेक स्वतंत्रताएँ - भाषण की, सभा की, मतदान की- दी जाती हैं। लोकतंत्र में बंधुत्व की भावना भी बढ़ती है।

(iv) नागरिक गुणों का विकास - लोकतंत्र में नागरिकों को व्यक्तित्व के विकास के अधिक अवसर प्रदान किए जाते हैं। इससे लोगों में प्रेम, सहानुभूति, सेवा, स्वार्थत्याग, सहनशीलता जैसे नागरिक गुणों का विकास हो पाता है।

(v) लोककल्याण का पोषक - लोकतंत्र में राज्य का स्वरूप लोककल्याणकारी हो जाता है। सभी नागरिकों के कल्याण के लिए उचित कदम उठाए जाते हैं।

5. लोकतंत्र विविधताओं में सामंजस्य कैसे स्थापित करता है ?

उत्तर - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का सबसे बड़ा गुण है कि इसमें विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करने की अदभुत क्षमता होती है। लोकतांत्रिक समाज में विभिन्न समूहों और वर्गों के लोग निवास करते हैं और उनमें टकराव होता रहता है। इन टकरावों में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता ही किसी शासन-पद्धति की सफलता का द्योतक है। जब इस आधार

पर हम लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूल्यांकन करते हैं तब उसमें यह क्षमता दिखाई पड़ती है। लोकतंत्र के अंतर्गत सभी तरह के लोग सद्भावपूर्ण एवं शांतिमय जीवन व्यतीत करते हैं। भेदभाव के बावजूद वे आपस में मिल-जुलकर रहते हैं। यदि टकराव होता भी है तो लोकतांत्रिक व्यवस्था उसे दूर करने में समर्थ हो जाती है। बेल्जियम की लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभिन्न भाषा-भाषियों के टकराव को दूर करने के उद्देश्य से संविधान में प्रावधान किए गए हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी विभिन्न धर्म, जाति तथा संप्रदाय के लोगों के लिए ऐसे कदम उठाए गए हैं जिससे लोग सद्भावपूर्ण सामाजिक जीवन व्यतीत कर सकें। इसके लिए आवश्यक है कि लोकतंत्र कुछ सावधानियाँ भी बरते। पहली सावधानी है कि लोकतंत्र को अल्पसंख्यकों के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए तथा उनके कल्याण के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। दूसरी सावधानी यह बरतनी चाहिए कि वंश, धर्म, धन, जन्म, संप्रदाय के आधार पर नागरिकों को सत्ता में भागीदारी से वंचित नहीं किया जाए। समाज में समरसता लाना लोकतंत्र का उत्तरदायित्व है और इस उत्तरदायित्व से वंचित रहने पर लोकतंत्र का परिणाम कभी सुखद नहीं हो सकता।

6. लोकतंत्र कैसे एक उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है ?

उत्तर - लोकतंत्र एक उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है। लोकतंत्र में जनता ही शासकों का निर्वाचन करती है और उनपर नियंत्रण भी रखती है। उत्तरदायी रहकर काम नहीं करनेवाली सरकार को जनता अगले निर्वाचन में हटा देती है। इसलिए, प्रत्येक सरकार के लिए आवश्यक होता है कि वह

जनता की समस्याओं का समाधान करे तथा जनता की इच्छा और भावना का आदर करे। शासक यह समझे कि जनता सरकार से क्या चाहती है, अन्यथा सरकार को अपदस्थ कर दिया जा सकता है।

लोकतंत्र एक वैध सरकार का गठन करता है। इसके समस्त निर्णय कानूनी प्रक्रिया से लिए जाते हैं। कार्यों के संपादन की भी निर्धारित प्रक्रिया होती है। इससे बाहर जाने और मनमानेपन पर न्यायपालिका की नजर होती है। जनता को विरोध करने की शक्ति होती है। इसलिए, लोकतंत्र में पारदर्शिता रहती है।

7. भारत में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है ?

उत्तर - भारत में लोकतंत्र की सफलता के लिए निम्नांकित आवश्यक शर्तें हैं।

(i) जनता की जागरूकता - 'सजगता प्रजातंत्र का आधार' है। जनता की जागरूकता, सतर्कता तथा अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अभिज्ञता इसकी सफलता की शर्तें हैं।

(ii) सामंजस्यपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवेश - भारत में हर क्षेत्र में विषमता वर्तमान है। सामंजस्यपूर्ण समाज और सहमति-आधारित लोकतंत्र की स्थापना के लिए इन्हें दूर करना होगा।

(iii) अशिक्षा की समाप्ति और नागरिक गुणों का विकास - अशिक्षा की समाप्ति के बिना न तो प्रजातंत्र की कीमत समझी जा सकती है, न ही मताधिकार का सही प्रयोग संभव हो सकता है। शिक्षा के व्यापक प्रसार के द्वारा नागरिक गुणों का विकास किया जा सकता है।

(iv) लोकतांत्रिक गुणों का विकास - समानता, स्वतंत्रता और भ्रातृत्व जैसे सिद्धांतों की स्थापना करके लोकतंत्र के विकास के मार्ग की बाधाओं को दूर करना होगा।

(v) नैतिक मूल्यों की स्थापना - जीवन के हर क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को प्रतिष्ठित कर लोकतंत्र को स्वार्थ, द्वेष और अन्य बुराइयों से मुक्त करना होगा।

(vi) अन्य शर्तें - निष्पक्ष प्रेस, सामाजिक-आर्थिक समानता, बेरोजगारी पर नियंत्रण तथा स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था को और मजबूत बनाकर हम लोकतंत्र को सफल बना सकते हैं।

4. लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

1. "लोकतंत्र जनता का , जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है।" यह कथन किसका है ?

(A) अरस्तु

(B) जार्ज वॉशिंगटन

(C) अब्राहम लिंकन

(D) लार्ड ब्राइस

Ans-C

2. लोकतंत्र का कौन-सा सही गुण नहीं है ?

(A) समानता का पोषक

(B) व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि

(C) बहुसंख्यकों का शासन

(D) विभिन्नताओं में सामंजस्य की क्षमता

Ans-C

3. लोकतंत्र का सर्वोत्तम गुण क्या है?

(A) शिक्षा का अभाव

(B) जनसंख्या की अधिकता

(C) बहुदलीय पद्धति

(D) नागरिकों की गरिमा में वृद्धि

Ans-D

4. "भारत एक लोकतांत्रिक राज्य है।" निम्नलिखित में से किसमें यह घोषणा की गई है ?

(A) प्रस्तावना

(B) पाठ

(C) कानूनी पुस्तक

(D) नागरिक शास्त्र

Ans-A

5. भारत में किस तरह की लोकतंत्र की व्यवस्था की गई है ?

(A) प्रत्यक्ष

(B) अप्रत्यक्ष

(C) दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

6. स्वतंत्र भारत में पहली बार राज्यों का पुनर्गठन किया गया ?

(A) 1950

(B) 1952

(C) 1954

(D) 1956

Ans-D

7. लोकतांत्रिक व्यवस्था की केन्द्र बिन्दु होती है -

(A) संसद

(B) राष्ट्रपति

(C) जनता

(D) प्रधानमंत्री

Ans-C

8. विश्व के लगभग कितने देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था है ?

(A) 50 देशों में

(B) 25 देशों में

(C) 100 देशों में

(D) 200 देशों में

Ans-C

9. लोकतंत्र की उपलब्धियों का सही मूल्यांकन किस प्रकार कर सकते हैं ?

(A) लोकतंत्र मूखों की सरकार

(B) समय और धन का अपव्यय

(C) विविधताओं का साम्राज्य

(D) एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था

Ans-D

10. किस आधार पर लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन कहते है ?

(A) निर्णय में देर

(B) राष्ट्रीय भावना का अभाव

(C) राजनीतिक चेतना का अभाव

(D) जनमत पर आधृत

Ans-D

11. लोकतांत्रिक देशों में फैसले एवं निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं ?

(A) अफसरों द्वारा

(B) जनप्रतिनिधियों द्वारा

(C) राजनीतिक नेताओं द्वारा

(D) बुद्धिजीवियों द्वारा

Ans-B

12. लोकतंत्र के बारे में कौन-सा कथन सत्य है ?

(A) जनता के मध्य टकराव का अभाव

(B) आर्थिक-असमानता का अभाव

(C) निर्णय में देरी परंतु सर्वोत्तम फैसले

(D) सामाजिक असमानता का अंत

Ans-C

13. एक उत्तरदायी एवं वैध शासन है -

(A) लोकतंत्र

(B) राजतंत्र

(C) सैनिकतंत्र

(D) तानाशाही

Ans-A

14. देश में निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेवारी किसके ऊपर है ?

(A) राष्ट्रपति

(B) प्रधानमंत्री

(C) चुनाव आयोग

(D) संसद

Ans-C

15. किस प्रकार की शासन व्यवस्था में फैसले लेने में विलंब होता है ?

(A) राजतंत्र

(B) लोकतंत्र

(C) तानाशाही

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

16. सरकार का कौन-सा प्रकार सबसे अच्छा माना जाता है ?

(A) राजतंत्र

(B) लोकतंत्र

(C) अधिनायकवाद

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

17. किस प्रकार की सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी होती है ?

(A) तानाशाही

(B) राजशाही

(C) गैर-लोकतांत्रिक

(D) लोकतांत्रिक

Ans-D

18. निम्नांकित में कौन-सा कंदम लोकतांत्रिक सुधार का सूचक है ?

(A) अशिक्षा

(B) पंचायती राज

(C) सामाजिक असमानता

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

19. इनमें से कौन-सी एक बात लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है ?

(A) कानून के समक्ष समानता

(B) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव

(C) उत्तरदायी शासन व्यवस्था

(D) बहुसंख्यकों का शासन

Ans-D

20. लोकतंत्र के परिणामों का सही आधार है -

(A) लोकतंत्र : मूर्खों की सरकार

(B) समय और धन का अपव्यय

(C) विविधताओं का साम्राज्य

(D) एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था

Ans-D

21. ..... देशों में सामाजिक विविधताओं के बीच सामंजस्य स्थापित होता है -

(A) लोकतांत्रिक

(B) गैर लोकतांत्रिक

(C) राजतांत्रिक

(D) पूँजीवादी

Ans-A

22. भारत की प्रमुख सामाजिक समस्या क्या है ?

A) जातिवाद

(B) भाषावाद

(C) सम्प्रदायवाद

(D) इनमें से सभी

Ans-D

23. निम्न में से कौन-सी एक बात लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अनुरूप नहीं है ?

(A) कानून के समक्ष समानता

(B) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव

(C) उत्तरदायी शासन व्यवस्था

(D) बहुसंख्यकों का शासन

Ans-D

24. भारतीय लोकतंत्र है -

(A) एक सफल लोकतंत्र

(B) विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

(C) दोनों (A एवं B)

(D) एक असफल लोकतंत्र

Ans-C

25. लोकतांत्रिक सरकारों का आधार है -

(A) बहुमत

(B) अल्पमत

(C) सैनिकवाद

(D) पूँजीवाद

Ans-A

26. 15वीं लोकसभा का चुनाव कब हुआ था ?

(A) 2007

(B) 2009

(C) 2005

(D) 2010

Ans-B

27. लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं ने निम्नांकित किन मुद्दे पर सफलता पाई है ?

(A) राजनीतिक असमानता को समाप्त कर दिया है

(B) लोगों के बीच टकरावों को समाप्त कर दिया है

(C) बहुमत समूह और अल्प समूह के साथ एक जैसा व्यवहार करता है

(D) समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े लोगों के बीच आर्थिक पैमाना कम कर दिया है

Ans-A

28. लोकतंत्र की उपलब्धियों में सबसे अधिक सहायक क्या है ?

(A) निर्धनता

(B) अशिक्षा

(C) विषमता

(D) विकास

Ans-D

29. लोकतंत्र की सफलता निर्भर करती है -

(A) नागरिकों की उदासीनता पर

(B) नागरिकों की गैर-कानूनी कार्रवाई पर

(C) नागरिकों की विवेकपूर्ण सहभागिता पर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

30. लोकतंत्र की सफलता की एक आवश्यक शर्त क्या है ?

(A) शिक्षा

(B) स्वास्थ्य

(C) रोजगार

(D) लोकतंत्र में आस्था

Ans-D

31. निम्नलिखित में कौन लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्त है ?

(A) साम्प्रदायिकता

(B) प्रेस की स्वतंत्रता

(C) विशेषाधिकार

(D) आर्थिक असमानता

Ans-B

32. निम्न में से कौन-सी स्थिति लोकतंत्र की सफलता के लिए सबसे आवश्यक है ?

(A) मजबूत जनमत

(B) निरक्षर नागरिक

(C) मजबूत सेंसर बोर्ड

(D) निर्यात्रत मीडिया और प्रेस

Ans-A

33. लोकतंत्र की सफलता निर्भर करती हैं।

(A) नागरिकों की उदासीनता पर

(B) नागरिकों की गैर-कानूनी कार्रवाई पर

(C) नागरिकों की विवेकपूर्ण सहभागिता पर

(D) नागरिकों द्वारा अपनी जाति के हितों की रक्षा पर

Ans-C